

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.-131 : संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

3×15=45

(क) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।

तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्॥

अथवा

तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।

हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा ॥

(ख) सम्पदा सुस्थिरम्मन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः।

कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम्॥

अथवा

विधाय वैरं सामर्षे नरोऽरौ य उदासते।

प्रक्षित्योदर्विषं कक्षे शेरते तेऽभिमारुतम्॥

(ग) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये।

स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे॥

अथवा

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,

न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः।

वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,

क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग

1000 शब्दों में लिखिए।

2×15=30

- महाकाव्य का लक्षण बताते हुए उसका उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कालिदास के जीवनवृत्त और कर्तृत्व को समझाइये।

3. रामायण और महाभारत की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

माघ के जीवनवृत्त और कर्तृत्व को समझाइये।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक 5

4. 'शिशुपालवधम्' के अनुसार भगवान् श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
5. शतक त्रय का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
6. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' सूक्ति का वर्णन कीजिए।
7. रघुवंशी राजाओं की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
8. 'नीतिशतकम्' के मूर्खता वृत्तान्त पर प्रकाश डालिए।
9. महाकवि भट्टि का परिचय लिखिए।
10. सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

x x x x x x x